शेमुषी पर आधारित बोर्ड परीक्षा में पूछे गए संस्कृत समास सम्बन्धी महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Applied Grammar MCQs)

बोर्ड परीक्षा में समास सीधे परिभाषा के रूप में नहीं, बल्कि आपकी पाठ्यपुस्तक के वाक्यों में से रेखांकित पदों के रूप में पूछे जाते हैं। नीचे पिछले वर्षों के बोर्ड एग्ज़ाम्स (Previous Years Questions) में आए 10 महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास करें:

निर्देश: अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समास / समासविग्रहं वा विकल्पेभ्यः चिनुत—

(नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित पदों का समास या समास-विग्रह दिए गए विकल्पों में से चुनिए—)

प्रश्न 1. महानगरेषु महानगरमध्ये चलदर्निशं कालायसचक्रम्। (पाठ - शुचिपर्यावरणम्)

(A) महानगरस्य मध्ये

(B) महानगराणाम् मध्ये

(C) महानगरे मध्ये

(D) महानगरात् मध्ये

सही उत्तर: (B) महानगराणाम् मध्ये

व्याख्या यह षष्ठी-तत्पुरुष समास का उदाहरण है। 'महानगरों के बीच में' अर्थ होने के कारण 'महानगर' शब्द का बहुवचन षष्ठी रूप 'महानगराणाम्' और उत्तर पद 'मध्ये' मिलकर विग्रह बनता है।

प्रश्न 2. अत्र जीवितं दुर्वहम् जातं प्रकृतिरेव शरणम्। (पाठ - शुचिपर्यावरणम्)

(A) वहस्य पश्चात्

(B) वहं वहं प्रति

(C) वहस्य अभावः

(D) वहस्य काठिन्यम् (कष्टेन वहम्)

सही उत्तर: (D) वहस्य काठिन्यम् (कष्टेन वहम् / दुःशकेन वहम्)

व्याख्या: 'दुर्वहम्' में 'दुर्' उपसर्ग का प्रयोग 'कठिन' या 'कष्ट' के अर्थ में हुआ है, जो कि एक अव्ययीभाव समास है। इसका सही विग्रह 'वहस्य काठिन्यम्' या 'कष्टेन वहम्' होता है।

प्रश्न 3. प्रश्न 3.व्याघ्रः **व्याघ्रमारी** इयमिति मत्वा पलायितः। (पाठ - बुद्धिर्बलवती सदा)

(A) व्याघ्राय मारयति यस्याः सा

(B) व्याघ्रस्य इव मारी यस्याः सा

(C) व्याघ्रे बुद्धिः यस्याः सा

(D) व्याघ्रं मारयति या सा

उत्तरः (D) व्याघ्रं मारयति या सा

व्याख्याः यह बहुव्रीहि समास है। वाक्य के संदर्भ में 'व्याघ्रं मारयति या सा ' का अर्थ है—"बाघ को मारती है जो स्त्री "। जहाँ अन्य पद (स्त्री) की प्रधानता

प्रश्न 4. तौ कुशलबौ मातुरपमानं सोढुं न शक्नुतः। (पाठ - शिशुलालनम्)

(A) कुशः च लवः च

(B) कुशा च लवा च

(C) कुशः च लवौ च

(D) कुशलः च लवः च

सही उत्तरः (A) कुशः च लवः च

व्याख्याः यह इतरेतर द्वंद्व समास का प्रमुख उदाहरण है। 'कुश और लव' दो व्यक्ति हैं, इसलिए समस्त पद में द्विवचन का प्रयोग होकर 'कुशलवौ' बनता है और विग्रह में दोनों के साथ 'च' जुड़ता है। [1]

प्रश्न 5. उद्यानम् पक्षिणां कलरवम् चेतः प्रसादयति। (पाठ - शुचिपर्यावरणम्)

(A) पक्षिक कलरवम्

B) पक्षिक कलरवः

(C) पक्षिकलरवम्

(D) पक्षिणाम् कलरवम्

सही उत्तरः (C) पक्षिकलरवम्

व्याख्याः 'पक्षिणां कलरवम्' (पक्षियों की चहचहाहट) का जब समस्त पद बनाया जाता है, तो पूर्व पद की षष्ठी विभक्ति का लोप हो जाता है और मूल शब्द 'पक्षिन्' का 'पक्षिका/पक्षि' रूप जुड़कर 'पक्षिकलरवम्' बनता है।

प्रश्न 6. वाल्मीकिः लवकुशयोः उपनयनोपदेशेन गुरुः आसीत्। (पाठ - शिशुलालनम्)

(A) उपनयनाय उपदेशेन

(B) उपनयनस्य उपदेशेन

(C) उपनयने उपदेशेन

(D) उपनयनात् उपदेशेन

सही उत्तर: (B) उपनयनस्य उपदेशेन

व्याख्या: यह षष्ठी-तत्पुरुष समास का उदाहरण है। 'उपनयन (जनेऊ संस्कार) के उपदेश के कारण', इसमें 'के' संबंध कारक होने से 'उपनयनस्य' विग्रह पद सही है।

प्रश्न 7. तत्र जीमूतकेतुः नाम विद्याधरपतिः वसति स्म। (कक्षा 9, पाठ - कल्पतरुः)

(A) विद्याधराणाम् पतिः

(B) विद्याधरे पतिः

(C) विद्याधराय पतिः

(D) विद्याधरात् पतिः

सही उत्तर: (A) विद्याधराणाम् पतिः

व्याख्या: यह षष्ठी-तत्पुरुष समास का उदाहरण है। 'विद्याधरों का स्वामी (पति)' होने के कारण पूर्व पद में बहुवचन षष्ठी विभक्ति (विद्याधराणाम्) का प्रयोग किया गया है।

प्रश्न 8. प्रश्न: सिंहः सक्रोधम् गर्जति।

(A) क्रोधेन सहितम्

(B) क्रोधस्य पश्चात्

(C) क्रोधं प्रति

(D) क्रोधस्य अभावः

उत्तर: (A) क्रोधेन सहितम्

व्याख्या: 'सक्रोधम्' एक अव्ययीभाव समास है। यहाँ 'स' (सहित) अव्यय का प्रयोग होने के कारण तृतीया विभक्ति के साथ 'सहितम्' लिखा जाता है।

प्रश्न 9. सः महात्मा व्याकुलचित्तः जातः। (पाठ - विचित्रः साक्षी)

(A) व्याकुलं चित्तं यस्य सः

(B) व्याकुलस्य चित्तम्

(C) व्याकुले चित्तम्

(D) व्याकुलं च चित्तं च

उत्तर: (A) व्याकुलं चित्तं यस्य सः

व्याख्या: यह बहुव्रीहि समास है। वाक्य में 'व्याकुलचित्तः' विशेषण के रूप में उस 'महात्मा' या 'अतिथि' के लिए प्रयुक्त हुआ है जिसका चित्त (मन) व्याकुल हो गया है।

प्रश्न 10. रामः सबाष्पम् अवलोकयति। (पाठ - शिशुलालनम्)

(A) बाष्पस्य समीपम्

(B) बाष्पेण सहितम्

(C) बाष्पस्य योग्यम्

(D) बाष्पम् बाष्पम् प्रति

उत्तर: (B) बाष्पेण सहितम्

व्याख्या: अव्ययीभाव समास के नियमानुसार जब 'स' उपसर्ग सहित (साथ) के अर्थ में आता है, तो पूर्व पद में तृतीया विभक्ति (बाष्पेण) लगकर 'सहितम्' जुड़ता है। इसका अर्थ है 'आँसुओं के साथ'।